



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 109]
No. 109]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 1981/ज्येष्ठ 1, 1903
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 1981/JYAISTHA 1, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 26-आईटीसी (पी एन)/81.

नई दिल्ली, 22 मई, 1981

आयात व्यापार नियंत्रण

विषय : 1981-82 के लिए कच्चे काजू की गिरी का आयात
और इस संबंध में वितरण नीति ।

मि. सं. आई पी सी/25/80-81.—सार्वजनिक सूचना सं. 18-आई टी सी (पी एन)/81, दिनांक 27 अप्रैल, 1981 और आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं. 22/81, दिनांक 27-4-1981 द्वारा यथा संशोधित वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 13-आई टी सी (पी एन)/81, दिनांक 3 अप्रैल, 1981 के अधीन प्रकाशित अप्रैल 1981 मार्च, —1982 के लिए आयात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है ।

2. पात्र आयातक आयात क्रय के पूर्ण होने के 7 दिनों के भीतर भारतीय काजू निगम लि. कोचीन को उनके द्वारा निर्धारित प्रपत्र में लिखित रूप में आयात क्रय के ब्यारो की सूचना भेजेगा, यद्यपि सीयदा पर विधिवत हस्ताक्षरित होना बाकी है। आयात क्रय के पूर्ण होने के 15 दिनों के भीतर उक्त सूचना निगम द्वारा भेजी जाएगी। आयातक क्रय के लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य के 1/2 के आधार पर गणना किए गए पंजीकरण खर्च भी के साथ मूल संविदा और उसकी फोटो प्रति पंजीकरण के लिए निगम को डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्रेषित करेगा ।

3. उपयुक्त कंडिका-2 में उल्लिखित सूचना में पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को नीचे की कंडिका-7 में संश्लेषित मूल्य पर वितरण के लिए निगम का अर्पित किए गए कच्चे काजू की

गिरी की मात्रा का ठीक-ठीक संकेत होगा जो आयात की जाने वाली प्रस्तावित मात्रा के 50% से कम नहीं होगा और अन्य बिज्जी के नियमों के अनुरार होगी ।

4. निगम आयात से प्राधिकारपत्र के साथ संविदा की प्राप्ति के 7 दिनों के भीतर ही उसे पंजीकृत करेगा जिसमें आयातक द्वारा निकासी की जाने वाली मात्रा और पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं के नामों के साथ-साथ उनमें प्रत्येक को दी जाने वाली कच्चे काजू की गिरी की मात्रा का भी संकेत होगा । सीमा-शुल्क प्राधिकारी इस प्रकार के प्राधिकारपत्र के आधार पर माल की निकामी स्वीकृति प्रदान करेंगे ।

5. आयातक से सूचना की पावती के सात दिनों के भीतर ही भारतीय काजू निगम पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को मात्रा प्रदान करेगा। पात्र वास्तविक उपयोक्ता वे संसाधक हैं जिन्होंने किसी भी पंचांग वर्ष अर्थात् 1968, 1969 और 1970 (31-8-1970 तक) काजू गिरी के आयात तथा निर्यात व्यापार में भाग लिया था और काजू संसाधन के लिए कारखाने चलाए थे । एक वास्तविक उपयोक्ता आयातित कच्चे काजू की गिरी के आबंटन के लिए पात्र नहीं रहेगा यदि वह लगातार एक वर्ष के लिए निर्यात व्यापार में नहीं लगा हुआ था ।

6. निगम पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को उनके पात्र कारखानों के लिए मात्रा का नियतन करेगा । पात्रता और मात्रा का सुनिश्चय निम्नलिखित मानदण्ड लागू करके किया जाएगा :—

(1) आबंटन उन कारखानों को किया जाएगा जो संसाधकों (वास्तविक उपयोक्ताओं) द्वारा निगम को पास दाखिल किए गए प्रपत्र में घोषित किए हैं और/या सरणी-

बढ़ करने की तारीख के बाद उनके द्वारा स्वीकार किए गए हैं।

(2) कोई भी कारखाना जो मजदूरों की सुरक्षा, सेवा के नियमों या वेतन के नियतन और भुगतान से संबंधित कानून की व्यवस्थाओं के अनुरूप नहीं है वह निगम द्वारा कच्चे काजू की गिरी के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।

(3) निगम द्वारा पत्येक कारखाने को आबंटन का सुनिश्चित करने के लिए रखी गई नामावली में लिखी गई और निगम द्वारा सत्यापित मजदूरों की संख्या के आधार पर किया जाएगा।

(4) निगम को यह अधिकार होगा कि कारखानों द्वारा भेजी गई रिपोर्ट और निगम द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर यदि मजदूरों की संख्या कम हो गई है तो प्रारंभिक आबंटन को पुनः नियत करे। उन कारखानों के मामले में जिनकी नामावली का सत्यापन कारखाने के निरीक्षण के दौरान निगम द्वारा नहीं हो सका था या जहां निगम ने किसी कारखाने की हकदारी की पुनरीक्षा करना आवश्यक समझा तो निगम यदि आवश्यक होगा तो इस मंच के आयात के सरणीबद्ध के समय प्रपत्र में बताए गए आंकड़ों के न्यूनतम आंकड़ों के आधार पर या समर्थक साक्ष्य के साथ 1971 में दाखिल किए गए आंकड़ा शीट के आधार पर मजदूरों की संख्या का सुनिश्चित करके आबंटन कर सकती है।

7. पात्र वास्तविक उपयोक्ता निगम द्वारा आबंटन की तारीख के 7 दिनों के भीतर निगम को उनकी स्वीकृति या अन्यथा अर्पित की गई मात्रा के लिए सूचित करेंगे। स्वीकृति के साथ एक बचतपत्र इस संबंध में भेजा जाना चाहिए कि वे 7 दिनों के भीतर या सम्बंधित आयातक द्वारा विशिष्टकृत किए जाने वाले अन्य ऐसे बचाए गए समय के भीतर आंतरिक माह्रपत्र खोल देंगे। पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं के वितरण के लिए आयातक जिस कीमत पर निगम को आयातित कच्चे काजू की गिरी देगा, वह कीमत आयातक द्वारा की गई संविदा के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के अनुसार और इसमें इसके-1 परसेन्ट को जोड़ कर होगी।

8. पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद, निगम आयातकों को पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं की ऐसी स्वीकृति के व्यौरों के विषय में सूचित करेगा।

9. यदि पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा स्वीकार की गई मात्रा उनको प्रदान की गई मात्रा से कम है, तो स्वीकार्य मात्रा में कम पड़ने वाली मात्रा आयातकों में आयातक के भाग के हिसाब में उपलब्ध होगी जिसके सम्बन्ध में सीमांशिक निकासी के लिए प्रयोजन के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा प्राधिकार-पत्र में आवश्यक संशोधन किया जाएगा।

10. भारतीय काजू निगम की जिम्मेदारी उनके द्वारा आयातक को पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा स्वीकृति के ब्यारे प्रस्तुत करने के लिए भेजे गए पत्र के साथ समाप्त हो जाएगा। सभी वित्तीय संबंधी व्यापार आयातक और पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं के मध्य होंगे।

11. आयातक द्वारा पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को उनके द्वारा स्वीकार की गई मात्रा की संपूर्णता में किसी प्रकार असफल रहने पर पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं भारतीय काजू निगम को इसके बारे में सूचित करेगा, जो बाद में इसे मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को ऐसी कार्रवाई के लिए ध्यान में लाएंगे, जिसे मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात उपयुक्त समझे।

कुमारी रौमा मजूमदार, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 26-ITC(PN)/81

New Delhi, the 22nd May, 1981

IMPORT TRADE CONTROL

Subject : Import and distribution policy in respect of raw cashewnuts for 1981-82.

F. No. IPC/25/7/80-81.—Attention is invited to the Import policy for April, 1981-March 1982 published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 13-ITC(PN)/81 dated the 3rd April, 1981, as amended vide Public Notice No. 18-ITC(PN)/81 dated the 27th April 1981 and ITC Order No. 22/81 dated 27th April, 1981.

2. The eligible importer shall within seven days from the conclusion of import purchase, intimate, in writing, to the Cashew Corporation of India Ltd., Cochin in the form prescribed by the Corporation, the details of purchase concluded by the importer even pending signing of a formal contract. The said intimation will be followed up within a fortnight from the conclusion of import purchase, by the original contract with a photostat copy for registration by the Cashew Corporation. The importer shall also remit by Demand Draft, registration charges to the Corporation calculated at 1/2% of the cif value of the purchase, along with the intimation of import purchase.

3. The intimation referred to in para 2 above shall also clearly indicate the quantity of raw cashewnuts offered to the Corporation for distribution at prices referred to in para 7 below to eligible Actual Users, which will not in any case be less than 50% of the quantity proposed to be imported, and other terms of sale.

4. The Corporation will register the contract within seven days from the date of its receipt from the importer together with a letter of authority which will indicate the quantity to be cleared by the importer and the names of eligible Actual Users along with the quantity of raw cashewnuts to be given to each of them. The customs authorities will allow clearance of the goods on the strength of such letter of authority.

5. The Cashew Corporation of India shall, within seven days from the receipt of the intimation from the importer, offer the quantities to the eligible Actual Users. The eligible Actual Users are those processors who had participated in the import and export trade of cashewnuts and operated cashew processing factories in any of the calendar years 1968, 1969 and 1970 (upto 31-8-1970). An Actual User will cease to be eligible for allocation of the imported raw cashewnuts if he was not in export business for a continuous period of one year.

6. The Corporation shall allocate the quantities to the eligible Actual Users in respect of their eligible factories. The eligibility and the quantum will be determined by applying the following criteria :—

(i) Allocation will be made in respect of those factories declared by the processors (Actual Users) in the proforma filed with the Corporation and/or accepted by them after the date of canalisation.

(ii) Any factory which does not conform to the provisions of law relating to safety, conditions of service or fixation and payment of wages to the workmen will not be eligible for allotment of raw cashewnuts from the Corporation.

(iii) The allocation in respect of each factory shall be determined by the Corporation on the basis of the labour strength ascertained from the Muster Roll maintained by the factory and verified by the Corporation.

(iv) The Corporation shall have the right to refix the initial allocation if the labour strength has come down based on returns from the factories and the verification carried out by the Corporation. With respect of these factories whose Muster Roll could not be verified by the Corporation during the inspection of factories, or where the Corporation considered it necessary to review the entitlement of any factory, the Corporation may make allocation on the basis of the labour strength determined on the basis of the lowest of the figure reported in the proforma at the time of canalisation of import of this item or the data sheet filed in 1971 with corroborative evidence, if necessary.

7. The eligible Actual Users shall advise the Corporation within seven days from the date of allocation by the Corporation, their acceptance or otherwise for the quantity offered. The letter of acceptance should be accompanied by an undertaking that they will open an internal letter of credit within seven days or such other extended time as may be specified by the importer concerned. The price at which the importer will offer to the eligible actual user through the Corporation the imported raw cashewnuts (for distribution to the

eligible Actual Users) shall be at a price not exceeding the cif price as per the contract entered into by the importer plus 1% thereof.

8. After receipt of acceptance from the eligible Actual Users, the Corporation will advise the importers about the details of such acceptances by eligible Actual Users.

9. If the quantities accepted by eligible Actual Users are less than the quantities offered to them, the shortfall in acceptance will be available to the credit of importer's share in the imports for which necessary amendment in the letter of authority will be issued by the C.C.I. for customs clearance purposes.

10. The responsibility of the Cashew Corporation of India shall cease with the communication sent by them to the importer furnishing the details of acceptances by eligible Actual Users. All financial dealings shall be between the importer and the eligible Actual Users.

11. Any failure of the importer to deliver to the eligible Actual Users the quantity accepted by them shall be reported by the eligible Actual Users to the Cashew Corporation of India which, in turn, will bring it to the notice of the Chief Controller of Imports and Exports for such action as deemed fit by the Chief Controller of Imports and Exports.

MISS ROMA MAZUMDAR, Chief Controller
of Imports and Exports

